मुख्तलिफ मामलात

सूद, रिशवत, शक-शुबा वाली चीझो से बचना, मजदूर का हक, खेती और बागबानी

संपादक- मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

📓 राहे अमल हिन्दी.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

सूद

1] रसूलुल्लाहﷺ जिस चीझ की वजह से लानत फरमाई वो गुनाह कितना बडा होगा, यही नहीं बल्की निसाइ की रिवायत का खुलासा हे की जान बूजकर सूद खाने, खिलाने, गवाही देने और लिखने वालो पर, कयामत के दिन रसूलुल्लाहﷺ लानत फरमाएंगे. इस्का मतलब ये हुवा की कयामत के दिन आपﷺ ऐसे लोगो के लिए (अगर बगैर तौबा किये मर गए) शिफात नहीं बल्की लानत फरमाएंगे (धुतकारना और भगा देना).

_ बुखारी मुस्लीम की रिवायत का खुलासा | रावी अब्दुल्लाह बिन मसउद रदी.

रिशवत

2] रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया अल्लाह की लानत (धुतकारना और भगा देना) हो रिशवत देने वाले पर और रिशवत लेने वाले पर.

_ बुखारी मुस्लीम की रिवायत का खुलासा | रावी अब्दुल्लाह बिन अमर रदी.

3] रिशवत उस रकम को कहते हे जो दूसरो का हक मारने के लिए हुकूमत के क्लर्कों और अफसरो को दी जाती हे. रही वो रकम जो अपने जाइज हक को वुसूल करने के लिए बातिल निजामे हुकूमत के बेईमान कारिन्दो को, दिल की पूरी नफरत के साथ अपनी जेब से निकाल कर देनी पडती हे जिस्के बगैर अपना हक नहीं निकलता. इस्की वजह से ये मोमिन अल्लाह के यहा धुतकारा नहीं जाएगा.

_ मुन्तका की रिवायत का खुलासा | रावी अबू हुरैरा रदी.

शक, शुबा वाली चीझो से बचना

1] हलाल भी वाजेह हे और हराम भी लेकिन इन दोनो के बीच शक शुबा वाली कुछ ऐसी चीझ हे जिस्का ना तो हराम होना

कतई तौर पर मालूम हो और ना हलाल होना साफ मालूम हो, उस्के कुछ पहलू हलाल मालूम होते हो और कुछ हराम दिखाई देते हो तो मोमिन का काम ये हे की उस्के पास ना जाए, और जाहिर हे की जो शक शुबा चिझो से दूर भागता हो वो खुले हुवे हराम काम कैसे कर सकता हे. अगर कोई शख्स शक शुबा वाली चिझो को नाजाइज़ जानते हुवे भी उसे अपनाता हे तो उस्का नतीजा ये होगा की दिल खुले हुवे हराम को अपनाने पर बहादुर और दिलेर हो जाएगा और ये दिल की बहुत ही खतरनाक हालत हे.

_ बुखारी मुस्लीम की रिवायत का खुलासा | रावी नुअमान बिन बशीर रदी.

2] एक चीझ जो मुबाह (जाइज़, हलाल) के दर्ज़े की हे जिस्के करने में गुनाह नहीं हे लेकिन उस्की सरहद गुनाह से मिली हुई हे, आदमी महसूस करता हे की अगर में उस मुबाह की सरहद पर गश्त लगाता रहूगा तो हो सकता हे कदम फिसल जाए और में गुनाह में गिर पडू, इस डर से वो मुबाह से फायदा उठाना छोड देता हे. दिल की यही वो हालत हे

जिस्को शरीअत की जुबान में तकवा का नाम दिया गया हे और ऐसा दिल वाला आदमी वास्तव में मुत्तकी हे. कुरान में जहा अहकाम की खिलाफ वर्ज़ी से रोकना मकसूद होता हे वहा वो ये नहीं कहता की मेरी मुकर्रर की हुई हदो को ना फलांगना बल्की वो यू कहता हे की ये अल्लाह की मुकर्रर की हुई हदे हे उन्के करीब ना जाना.

_ तिर्मिजी की रिवायत का खुलासा | रावी अतिय्या सअदी रदी.

मजदूर के हुकुक

1] मजदूर उस शख्स को कहते हे जिस्को अपना और अपने बाल बच्चो का पेट भरने के लिए रोज मेहनत करनी पडती हे. अब अगर उस्की मजदूरी किसी दूसरे दिन पर टाल दी जाए या मार ली जाए तो वो शाम को क्या खाएगा और अपने बच्चो को क्या खिलाएगा?

_ इबने माजा की रिवायत का खुलासा | रावी इबने उमर रदी.

2] रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया की अल्लाह फरमाता हे की तीन आदमी हे जिनसे कयामत के दिन मेरा झगडा होगा. एक

वो शख्स जिसने मेरा नाम लेकर कोई वादा किया फिर उसने उस वादे को तोड डाला. दूसरा वो शख्स जिसने किसी शरीफ और आजाद आदमी का अपहरण करके उसे बेचा, और उस्की कीमत खाई. तीसरा वो शख्स जिसने किसी मजदूर को मजदूरी पर लगाया फिर उस्से पूरा काम लिया और काम लेने के बाद उस्को उस्की मजदूरी नहीं दी.

_बुखारी की रिवायत का खुलासा | रावी अबू हुरैरा रदी.

खेती और बागवानी

1] रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया की जो मुसलमान खेती का काम करता हे या पेड पौदे लगाता हे और उसमे से चिडिया या कोई इन्सान या कोई जानवर खाले तो ये उस्के लिए सदका बनता हे. _ मुस्लिम की रिवायत का खुलासा.

2] रसूलुल्लाहﷺ फरमाते हे, तीन किसम के लोग हे जिनसे अल्लाह कयामत के दिन ना तो बात करेगा और ना उनकी तरफ देखेगा. पहली किसम उन लोगो की हे जिन्होने अपने तिजारत के सामान को बेचने में झूठी कसम खाई की उस्के

जितने दाम लगाये हे उस्से ज़्यादा लग चुके हे. दूसरे वो लोग जिन्होने असर नमाज के बाद झूठी कसम खाई और उस्के जरिये किसी मुसलमान आदमी का माल ले लिया. तीसरे वो लोग जो जरूरत से ज़्यादा पानी को रोके तो अल्लाह कयामत के दिन कहेगा में तुझसे आज अपना फल रोक लूगा जैसे की तूने वो ज़्यादा पानी रोका जो तेरा अपना पैदा किया हुवा ना था. _ बुखारी मुस्लीम की रिवायत का खुलासा.